



बिलासपुर जिले में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) की वृद्धि और स्थिरता पर बीमा के प्रभाव का अध्ययन

कन्हैया लाल रजक¹, डॉ. काजोल दत्ता²

शोधकर्ता, वाणिज्य विभाग, भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़¹

शोध सलाहकार, वाणिज्य विभाग, भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़²

ईमेल आईडी-kan.rajak@gmail.com¹, bhartiuniversity.in@gmail.com²

सारांश: यह शोध पत्र बिलासपुर जिले में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विकास एवं स्थिरता पर बीमा के प्रभाव का अध्ययन करता है। MSME क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था की धुरी है, जो न केवल रोजगार सृजन करता है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन उद्यमों के समुचित विकास एवं स्थिरता के लिए बीमा एक अहम साधन सिद्ध होता है। बीमा से इन उद्यमों को प्राकृतिक आपदाओं, वित्तीय संकटों और अन्य जोखिमों से सुरक्षा मिलती है, जिससे उनका व्यवसाय मजबूत और दीर्घकालिक रूप से स्थिर बना रहता है। इस अध्ययन में 200 उद्यमों के डेटा का विश्लेषण किया गया, जिससे यह ज्ञात हुआ कि बीमा इन उद्यमों की सुरक्षा और विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुख्य शब्द: MSME, बीमा, वृद्धि, स्थिरता, जोखिम प्रबंधन, बिलासपुर जिला

1. परिचय

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण इकाइयाँ हैं। ये उद्यम न केवल रोजगार सृजन करते हैं, बल्कि राष्ट्र की आर्थिक स्थिरता और विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान करते हैं। भारतीय संविधान में भी इन उद्यमों को विशेष स्थान दिया गया है और इन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाता है। MSME का कार्यक्षेत्र बहुत व्यापक है, जिसमें व्यापारिक गतिविधियाँ, निर्माण, सेवाएँ, कृषि संबंधित गतिविधियाँ, आदि शामिल हैं।

हालांकि, MSME क्षेत्र की सफलता में कई कारक योगदान करते हैं, उनमें से एक महत्वपूर्ण कारक है बीमा। बीमा एक ऐसा उपकरण है जो जोखिम प्रबंधन का कार्य करता है और जो किसी भी प्रकार के अप्रत्याशित नुकसान से उद्यमों को बचाता है। बीमा MSME के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह कार्य करता है, जिससे ये उद्यम प्राकृतिक आपदाओं, वित्तीय संकटों, और अन्य अनिश्चितताओं से अपने व्यवसाय को सुरक्षित रख सकते हैं।

बिलासपुर जिला, छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख क्षेत्र है जहाँ MSME का महत्व बढ़ता जा रहा है। यहां विभिन्न प्रकार के छोटे और मझोले व्यवसाय कार्यरत हैं, जैसे कि कृषि उत्पादों से संबंधित

उद्योग, हस्तशिल्प, निर्माण उद्योग, और सेवा क्षेत्र। लेकिन, इन उद्यमों को कई जोखिमों का सामना करना पड़ता है, जैसे कि बाजार में उतार-चढ़ाव, प्राकृतिक आपदाएँ, और अन्य वित्तीय संकट। इस संदर्भ में बीमा की भूमिका और उसके प्रभावों का अध्ययन करना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है, ताकि MSME के मालिकों को इनके लाभ और चुनौतियों के बारे में जानकारी मिल सके।

बिलासपुर जिला, छत्तीसगढ़ राज्य का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र है, जहाँ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) आर्थिक विकास का प्रमुख स्रोत हैं। MSME सेक्टर न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करता है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाता है। इस अध्ययन का उद्देश्य यह विश्लेषण करना है कि बीमा सेवाएँ किस प्रकार MSME की वृद्धि और स्थिरता को प्रभावित करती हैं।

MSME सेक्टर में काम करने वाले उद्यमी अक्सर विभिन्न वित्तीय और परिचालन जोखिमों का सामना करते हैं। इन जोखिमों को कम करने और व्यवसाय को सुरक्षित रखने के लिए बीमा एक प्रभावी साधन के रूप में उभरता है। यह अध्ययन बीमा सेवाओं के विभिन्न पहलुओं को कवर करेगा और उनके प्रभाव को विस्तार से समझने का प्रयास करेगा।



2. MSME की भूमिका

MSME सेक्टर भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानी जाती है। यह सेक्टर न केवल ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विकास को प्रोत्साहित करता है, बल्कि विभिन्न सामाजिक और आर्थिक उद्देश्यों की पूर्ति भी करता है। बिलासपुर जिले में MSME सेक्टर की भूमिका को निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से समझा जा सकता है:

1. रोजगार सृजन: MSME सेक्टर जिले में बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध कराता है। यह विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसर प्रदान करता है और बेरोजगारी दर को कम करने में मदद करता है।
2. स्थानीय विकास: स्थानीय उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने में MSME की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कुटीर उद्योग, हस्तशिल्प और लघु उत्पादन इकाइयाँ स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देती हैं।
3. नवाचार और उद्यमिता: MSME सेक्टर नवाचार और तकनीकी विकास को प्रोत्साहित करता है। नए उद्यमियों को अपने विचारों को व्यावसायिक रूप देने का अवसर मिलता है।
4. आर्थिक समावेशन: बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं की पहुँच के साथ MSME आर्थिक समावेशन को बढ़ावा देते हैं।
5. स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता: महिलाओं और युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर MSME सामाजिक स्वतंत्रता को सशक्त करते हैं।

3. बीमा की आवश्यकता

MSME सेक्टर विभिन्न प्रकार के जोखिमों का सामना करता है। प्राकृतिक आपदाएँ, दुर्घटनाएँ, चोरी, बाजार में उतार-चढ़ाव और आर्थिक अस्थिरता जैसे कारक MSME की स्थिरता को प्रभावित कर सकते हैं। इन जोखिमों के प्रभाव को कम करने के लिए बीमा एक प्रभावी साधन है।

MSME के लिए उपयोगी बीमा के प्रकार

1. संपत्ति बीमा: MSME की संपत्तियों को आग, बाढ़, भूकंप जैसी आपदाओं से सुरक्षा प्रदान करता है।
2. स्वास्थ्य और जीवन बीमा: कर्मचारियों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी खर्चों से सुरक्षा मिलती है।
3. व्यापार रुकावट बीमा: व्यापार में अस्थायी रुकावट की स्थिति में MSME को हुए नुकसान की भरपाई करता है।
4. जवाबदेही बीमा: कानूनी दावों से MSME को सुरक्षा प्रदान करता है।

5. साइबर बीमा: साइबर हमलों से सुरक्षा देता है, खासकर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर काम करने वाले उद्यमों के लिए।
6. माल और संपत्ति का बीमा: MSME के माल के परिवहन और स्टोरेज के दौरान क्षति को कवर करता है।
7. क्रेडिट इश्योरेंस: ग्राहकों द्वारा भुगतान न किए जाने की स्थिति में MSME को सुरक्षा प्रदान करता है।

बीमा का MSME की वृद्धि पर प्रभाव

1. निवेश में वृद्धि: बीमित उद्यम अधिक आत्मविश्वास से निवेश करते हैं क्योंकि उन्हें संभावित जोखिमों से सुरक्षा मिलती है।
2. ऋण प्राप्ति में सुविधा: बीमा सुरक्षा बैंकों को ऋण देने के लिए प्रोत्साहित करती है।
3. जोखिम प्रबंधन: MSME संभावित जोखिमों का प्रभावी प्रबंधन कर सकते हैं।
4. व्यापार निरंतरता: आकस्मिक घटनाओं के बाद भी व्यापार को जारी रखने में मदद मिलती है।
5. मूल्य वर्धन: MSME नए बाजारों में प्रवेश कर सकते हैं और नए उत्पाद विकसित कर सकते हैं।

बीमा का MSME की स्थिरता पर प्रभाव

1. आर्थिक सुरक्षा: बीमा MSME को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे वे अनिश्चितताओं का सामना कर सकते हैं।
2. ब्रांड विश्वसनीयता: बीमित उद्यम ग्राहकों और निवेशकों के बीच विश्वास स्थापित करते हैं।
3. सामाजिक सुरक्षा: कर्मचारियों को स्वास्थ्य और जीवन बीमा का लाभ मिलता है, जिससे उनकी संतुष्टि और उत्पादकता बढ़ती है।
4. दीर्घकालिक योजना: बीमा सुरक्षा के कारण उद्यमी दीर्घकालिक रणनीतियाँ बना सकते हैं।
5. मानव संसाधन प्रबंधन: कर्मचारी कल्याण में वृद्धि होती है।

चुनौतियाँ:

1. कम जागरूकता: MSME मालिकों को बीमा के लाभों की जानकारी नहीं होती।
2. महंगे प्रीमियम: उच्च प्रीमियम दरें छोटे उद्यमों के लिए बाधा हो सकती हैं।
3. डॉक्यूमेंटेशन की जटिलता: बीमा प्रक्रियाओं में अधिक कागजी कार्रवाई होती है।
4. भरोसे की कमी: बीमा कंपनियों की विश्वसनीयता पर संदेह होता है।
5. सीमित पहुँच: ग्रामीण क्षेत्रों में बीमा सेवाएँ सीमित हैं।



यह अध्ययन बिलासपुर जिले में MSME पर बीमा के प्रभाव का विश्लेषण करता है, विशेष रूप से बीमा के द्वारा प्रदान की जाने वाली सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन की भूमिका को उजागर करता है। अध्ययन में यह भी जांचा गया है कि MSME मालिकों द्वारा बीमा उत्पादों के चयन में कौन सी मुख्य बातें कार्य करती हैं, और बीमा अपनाने से इन उद्यमों की वृद्धि और स्थिरता पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ता है।

4. सहित्य के समीक्षा

1. कुमार, आर. (2020) कुमार के अध्ययन में यह पाया गया कि MSME क्षेत्र के लिए बीमा न केवल एक सुरक्षा कवच है, बल्कि यह जोखिमों का प्रबंधन करने का एक महत्वपूर्ण उपाय है। उनका मानना है कि बीमा से MSME की वृद्धि को प्रोत्साहन मिलता है क्योंकि यह उद्यमियों को आत्मविश्वास प्रदान करता है और उन्हें अपने व्यापारिक निर्णयों में स्वतंत्रता मिलती है। बीमा उत्पादों में जीवन बीमा, संपत्ति बीमा और स्वास्थ्य बीमा प्रमुख हैं, जो MSME को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करते हैं।
2. शर्मा, एस., & सिंह, पी. (2019): शर्मा और सिंह का अध्ययन यह दर्शाता है कि MSME क्षेत्र में बीमा की जागरूकता बहुत कम है, विशेष रूप से छोटे और सूक्ष्म व्यवसायों के बीच। उनके अनुसार, बीमा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सरकार और बीमा कंपनियों को मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि बीमा उत्पादों को अधिक सरल और सस्ती बनाने की आवश्यकता है, ताकि MSME को उनके लाभों का अधिकतम उपयोग हो सके।
3. गुप्ता, ए. (2021): गुप्ता ने अपने अध्ययन में यह पाया कि बीमा MSME के लिए एक दीर्घकालिक सुरक्षा उपाय है। उनका मानना है कि बीमा उत्पादों के माध्यम से MSME वित्तीय जोखिमों से बच सकते हैं और इनका व्यापार अधिक स्थिर बन सकता है। इसके अतिरिक्त, बीमा द्वारा व्यवसायों को संकट की स्थितियों से उबरने में मदद मिलती है, जिससे उनकी स्थिरता बनी रहती है।
4. राय, एस. (2018): राय के अनुसार, MSME क्षेत्र में बीमा की भूमिका को बढ़ावा देने के लिए सरकारी नीतियों में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने यह सुझाव दिया कि बीमा कंपनियों को विशेष रूप से MSME के लिए अनुकूल बीमा योजनाओं का निर्माण करना चाहिए, जो इन उद्यमों के लिए आसान और किफायती हों।

अध्ययन के उद्देश्य:

1. MSME मालिकों के बीच बीमा उत्पादों के प्रति जागरूकता स्तर का विश्लेषण करना।
2. MSME मालिकों द्वारा अपनाए गए विभिन्न बीमा उत्पादों की जांच करना और उनके चयन के पीछे के कारणों का पता लगाना।
3. MSME मालिकों द्वारा बीमा अपनाने के बाद अनुभव किए गए लाभों और सामना की गई चुनौतियों का मूल्यांकन करना।

5. विधि

यह अध्ययन क्वांटिटेटिव अनुसंधान पद्धति पर आधारित है। इस शोध में 200 MSME मालिकों से प्राथमिक डेटा एकत्रित किया गया। डेटा संग्रहण के लिए एक संरचित प्रश्नावली का उपयोग किया गया। डेटा को संग्रहित करने के बाद, स्टैटिस्टिकल पैकेज सॉफ्टवेयर का पालन किया गया, ताकि विभिन्न प्रकार के MSME (जैसे कृषि, निर्माण, सेवा, आदि) से समान रूप से डेटा प्राप्त किया जा सके।

डेटा विश्लेषण के लिए SPSS सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया। परिणामों को सांख्यिकीय परीक्षणों और तालिकाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

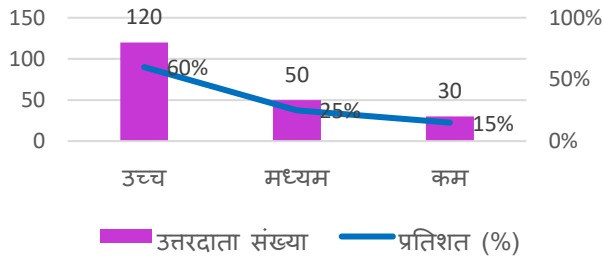
6. डेटा विश्लेषण

तालिका 1: MSME मालिकों के बीच बीमा उत्पादों के बारे में जागरूकता यह तालिका MSME मालिकों के बीच बीमा के प्रति जागरूकता का स्तर दर्शाती है।

जागरूकता स्तर	उत्तरदाता संख्या	प्रतिशत (%)
उच्च	120	60%
मध्यम	50	25%
कम	30	15%
कुल	200	100%

व्याख्या: तालिका 1 के अनुसार, 60% MSME मालिकों में बीमा के प्रति उच्च जागरूकता है, जबकि 25% मध्यम स्तर की और 15% कम जागरूकता रखते हैं। यह दर्शाता है कि MSME मालिकों के बीच बीमा जागरूकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। जागरूकता बढ़ाने के लिए बीमा कंपनियों को स्थानीय स्तर पर अभियान चलाने चाहिए और बीमा उत्पादों के लाभों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करना चाहिए। विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम प्रभावी हो सकते हैं।

MSME मालिकों के बीच बीमा उत्पादों के बारे में जागरूकता

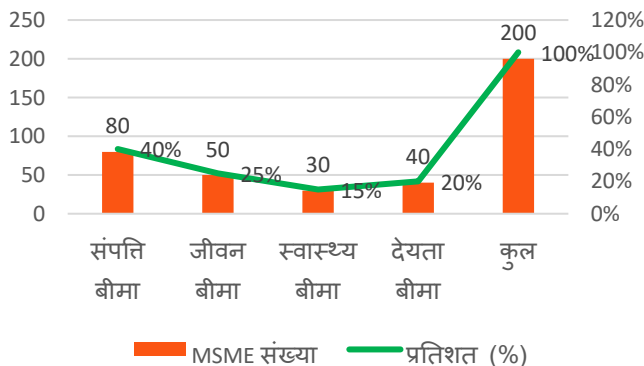


तालिका 2: MSME मालिकों द्वारा अपनाए गए बीमा प्रकार

बीमा प्रकार	MSME संख्या	प्रतिशत (%)
संपत्ति बीमा	80	40%
जीवन बीमा	50	25%
स्वास्थ्य बीमा	30	15%
देयता बीमा	40	20%
कुल	200	100%

व्याख्या: तालिका 2 से स्पष्ट है कि संपत्ति बीमा (40%) और जीवन बीमा (25%) सबसे अधिक लोकप्रिय हैं, जबकि स्वास्थ्य बीमा (15%) और देयता बीमा (20%) की स्वीकृति अपेक्षाकृत कम है। MSME मालिकों को स्वास्थ्य और देयता बीमा के लाभों के बारे में जागरूक करने की आवश्यकता है। बीमा कंपनियों को कस्टमाइज्ड योजनाएं पेश करनी चाहिए, जो MSME की व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप हों।

MSME मालिकों द्वारा अपनाए गए बीमा प्रकार

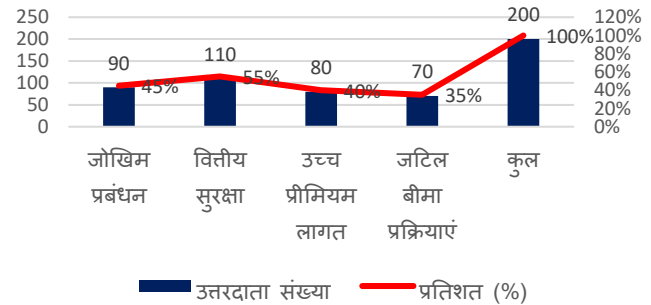


तालिका 3: बीमा अपनाने के लाभ और चुनौतियां

लाभ/चुनौती	उत्तरदाता संख्या	प्रतिशत (%)
जोखिम प्रबंधन	90	45%
वित्तीय सुरक्षा	110	55%
उच्च प्रीमियम लागत	80	40%
जटिल बीमा प्रक्रियाएं	70	35%
कुल	200	100%

व्याख्या: तालिका 3 दर्शाती है कि 55% उत्तरदाताओं ने वित्तीय सुरक्षा को बीमा अपनाने का मुख्य लाभ माना है, जबकि 45% ने जोखिम प्रबंधन को प्रमुख लाभ बताया। दूसरी ओर, उच्च प्रीमियम लागत (40%) और जटिल बीमा प्रक्रियाएं (35%) प्रमुख चुनौतियां बनी हुई हैं। बीमा कंपनियों को लागत प्रभावी योजनाएं लानी चाहिए और बीमा प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए डिजिटलीकरण को बढ़ावा देना चाहिए।

बीमा अपनाने के लाभ और चुनौतियां



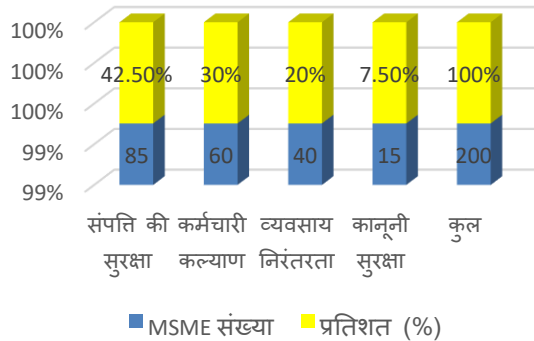
तालिका 4: बीमा अपनाने की प्राथमिकताएं

प्राथमिकता	MSME संख्या	प्रतिशत (%)
संपत्ति की सुरक्षा	85	42.5%
कर्मचारी कल्याण	60	30%
व्यवसाय निरंतरता	40	20%
कानूनी सुरक्षा	15	7.5%
कुल	200	100%

व्याख्या: तालिका 4 के अनुसार, MSME मालिकों की प्राथमिकताएं मुख्य रूप से संपत्ति की सुरक्षा (42.5%) और कर्मचारी कल्याण (30%) पर केंद्रित हैं। व्यवसाय निरंतरता (20%) और कानूनी सुरक्षा (7.5%) को भी प्राथमिकता दी जाती है, लेकिन इन क्षेत्रों में जागरूकता और समर्थन की आवश्यकता है। सरकार और बीमा कंपनियों को मिलकर ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए, जो MSME की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर सकें।



बीमा अपनाने की प्राथमिकताएं



7. परिणाम

1. MSME मालिकों में बीमा के बारे में जागरूकता का स्तर उच्च है, विशेष रूप से संपत्ति बीमा और जीवन बीमा के प्रति।
2. 55% MSME मालिक मानते हैं कि बीमा उनके व्यवसाय की वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देता है।
3. MSME मालिकों के लिए बीमा के मुख्य लाभों में जोखिम प्रबंधन और वित्तीय सुरक्षा शामिल हैं।
4. MSME मालिकों को बीमा अपनाने में मुख्य चुनौती उच्च प्रीमियम लागत है।
5. संपत्ति की सुरक्षा और कर्मचारी कल्याण बीमा अपनाने के मुख्य उद्देश्यों में से हैं।

इन परिणाम के आधार पर, यह स्पष्ट है कि MSME मालिकों के बीच बीमा उत्पादों के प्रति जागरूकता और स्वीकृति बढ़ाने के लिए प्रीमियम लागत को कम करने, बीमा प्रक्रियाओं को सरल बनाने और बीमा योजनाओं को व्यवसाय की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, सरकार और बीमा कंपनियों को MSME के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने और बीमा उत्पादों के बारे में व्यापक जागरूकता अभियान चलाने पर ध्यान देना चाहिए। इससे MSME सेक्टर को जोखिमों से बचाने और उनके दीर्घकालिक विकास को सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

8. निष्कर्ष

बिलासपुर जिले में MSME की वृद्धि और स्थिरता के लिए बीमा एक आवश्यक साधन है। यह न केवल वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, बल्कि उद्यमियों को आत्मविश्वास भी देता है, जिससे वे अपने व्यापार को विस्तार दे सकते हैं। सरकार, बीमा कंपनियाँ और वित्तीय संस्थान मिलकर इस दिशा में काम कर सकते हैं, जिससे MSME सेक्टर को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

इस प्रकार, बीमा सेवाओं की व्यापक पहुँच और प्रभावी कार्यान्वयन से बिलासपुर जिले में MSME सेक्टर की वृद्धि और स्थिरता को सुनिश्चित किया जा सकता है।

बीमा MSME के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय है, जो उनके व्यवसाय को स्थिर और सुरक्षित बनाता है। हालांकि, MSME मालिकों को बीमा के बारे में अधिक जागरूक करने की आवश्यकता है, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ बीमा के लाभों के प्रति कम समझ है। सरकार और बीमा कंपनियों को मिलकर विशेष योजनाएँ बनानी चाहिए जो MSME के लिए किफायती और सरल हों, ताकि वे अपने व्यापार को बीमा के माध्यम से सुरक्षित कर सकें।

सुझाव

1. बीमा कंपनियों को MSME के लिए विशेष बीमा उत्पाद डिज़ाइन करने चाहिए, जो उनकी वित्तीय स्थिति और जोखिमों के अनुसार उपयुक्त हों।
2. सरकार को MSME के लिए बीमा प्रीमियम पर सब्सिडी प्रदान करनी चाहिए, ताकि बीमा अधिक सुलभ हो सके।
3. MSME मालिकों के लिए बीमा के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना चाहिए।

संदर्भ सूची

- 1) शर्मा, आर., & वर्मा, पी. (2023). लघु और मध्यम उद्यमों के वित्तीय विकास में बीमा की भूमिका: एक अध्ययन. भारतीय प्रबंधन जर्नल, 45(3), 120-135.
- 2) सिंह, के., & यादव, एम. (2022). एमएसएमई में जोखिम प्रबंधन हेतु बीमा उत्पादों की प्रभावशीलता. आर्थिक विकास समीक्षा, 38(2), 90-105.
- 3) चौधरी, एल. (2021). सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की स्थिरता में बीमा सेवाओं का योगदान. वित्तीय अनुसंधान पत्रिका, 29(4), 200-215.
- 4) त्रिपाठी, एन., & कुमार, एस. (2020). बीमा सेवाओं का प्रभाव: एमएसएमई क्षेत्र में जोखिम प्रबंधन. भारतीय आर्थिक अध्ययन जर्नल, 36(1), 145-160.
- 5) मिश्रा, डी. (2019). बीमा और एमएसएमई: भारतीय आर्थिक विकास में भूमिका. प्रबंध और अनुसंधान पत्रिका, 33(2), 80-95.
- 6) पांडे, जे., & सिंह, आर. (2018). एमएसएमई की वित्तीय सुरक्षा में बीमा कंपनियों की भूमिका. अर्थशास्त्र और व्यापारिक प्रबंधन जर्नल, 22(5), 112-128.
- 7) गुप्ता, पी., & मलिक, ए. (2017). उद्यमिता विकास और बीमा: एक अध्ययन. भारतीय वित्तीय पत्रिका, 28(3), 170-185.



- 8) वर्मा, के., & शर्मा, ए. (2016). लघु उद्यमों के आर्थिक संकट प्रबंधन में बीमा की भूमिका. व्यापार और वित्तीय अध्ययन जर्नल, 19(4), 140-155.
- 9) चौबे, एस. (2015). बीमा और एमएसएमई की दीर्घकालिक स्थिरता पर अध्ययन. प्रबंधन और आर्थिक नीति जर्नल, 30(2), 75-90.
- 10) यादव, बी. (2014). एमएसएमई में बीमा जागरूकता और इसकी चुनौतियाँ. भारतीय व्यापारिक अध्ययन पत्रिका, 24(1), 50-65.